an>

Title: The Minister of Road Transport and Highway and Minister of Shipping made a statement regarding initiatives of the Government for regional connectivity with focus on North-Eastern States of the Country.

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री तथा पोत परिवन मंत्री (श्री नितिन गडकरी) : अध्यक्ष महोदया, मैं देश के पूर्वोत्तर राज्यों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए क्षेत्रीय सड़क संपर्क के लिए सरकार की पहलों के संबंध में स्वतःप्रेरित सुओमोटो विवरण देना चाहता हूं।

सरकार ने जिस दिन से कार्यभार संभाला है, उसी दिन से क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ाने पर बल दिया गया है। माननीय प्रधानमंत्री महोदय की 'एक्ट ईस्ट पालिसी' की घोषणा के बाद भारत संवर्धित क्षेत्रीय संपर्क के माध्यम से, दक्षिण एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया के बीच सक्रिय रूप से प्रभावी और विश्वसनीय संबंध बनाने में लग गया है। चारों परिवहन मंत्रियों द्वारा थिंपू, भूटान में जून, 2015 में बांग्लादेश, भूटान, भारत, नेपाल (बीबीआईएन) मोटर वाहन समझौते (एमवीए) पर हस्ताक्षर किया जाना इस क्षेत्र में एक मुख्य मील का पत्थर बना है।

बीबीआईएन एमवीए इस क्षेत्र में पंजीकृत सभी श्रेणी के माल वाहक वाहनों और यात्रियों की सुचारू रूप से आवाजाही को सुकर बनाएगा। समझौते के कार्यान्वयन के लिए इस समय यात्री और मालवाहक वाहनों के आवागमन हेतु प्रोटोकॉल और प्रक्रियाओं पर चारों देशों के बीच बातचीत चल रही है। बीबीआईएन एमवीए के अंतर्गत नवम्बर, 2015 में कोलकाता-ढाका-अगरतला रूट पर 640 किमी दूरी का एक कार्गो ट्रायल रन सफलतापूर्वक किया गया। सिलीगुड़ी-गुवाहाटी-सिल्चर होते हुए कोलकाता से अगरतल जाने के लिए 1550 किमी की दूरी वाले परंपरागत ट्रांजिट रूट से यह काफी कम दूर है। यात्री और मालवाहन वाहनों दोनों की अंतर्राष्ट्रीय यात्रा के लिए ट्रायल के दौरान 2 प्रौद्योगिकी हस्तक्षेपों पर सफलतापूर्वक परीक्षण किए गए, अंतर्राष्ट्रीय वाहन परमिटों को ऑनलाइन जारी करना और विनियमन करना तथा कार्गो के लिए डिजीटल लॉक के साथ वाहनों की इलेक्ट्रॉनिक रूप से ट्रैकिंग किया जाना। बीबीआईएन एमवीए के अंतर्गत चारों देशों ने यात्री सेवाओं के लिए 14 रूट तथा कार्गो आवागमन के लिए 7 रूट भी अभिनिर्धारित किये हैं।

जबकि बीबीआईएन एमवीए चारों देशें के बीच आवागमन और व्यापार के लिए विधिक फ्रेमवर्क उपलब्ध कराता है, इसका ध्यान उप-क्षेत्र में वास्तविक अवसंरचना के सुधार पर भी केंद्रीत है। भारत में विशेषतः पूर्वोत्तर क्षेत्र में 4.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर के अनुमानित निवेश पर लगभग 2400 किमी लंबाई की कई प्रमुख सड़क परिवहन कोरीडोर परियोनायें अभिनिर्धारित की गयी हैं जिन्हें एशियाई विकास बैंक (एडीबी) की सहायता से शुरू किया जाना प्रस्तावित है। एनएचआईडीसीएल द्वारा इंफाल-मोरेह, एनएच-39 पर लगभग 110 किमी लंबाई में उन्नयन कार्य को एशियाई विकास बैंक द्वारा उपलब्ध कराये जाने वाले ऋण से किया जायेगा। मंत्रालय ने जेआईसीए ऋण सहायता से हमारे पड़ोसी देशों को पूर्वोत्तर क्षेत्र के माध्यम से जोड़ने के लिए, पूर्वोत्तर में सड़क अवसंरचना विकसित करने हेतु भी परियोजनायें निर्धारित की हैं। पूर्वोत्तर आर-पार सीमा सड़क संपर्क सुधार परियोजना के अंतर्गत जेआईसीए रोलिंग प्लान में कुल 10 उप-परियोजनायें शामिल की गयी हैं जिनमें अनुमानित 1.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश से लगभग 1153 किमी लंबाई कवर होगी। इनमें से मिजोरम और मेघालय में 435 किमी के राष्ट्रीय राजमार्गों पर वर्ष 2016-17 में निर्माण प्रारंभ किये जाने की संभावना है।

बीबीआईएन एमवीए के फ्रेमवर्क के अंतर्गत सड़क संपर्क के महत्व पर प्रकाश डालने के लिए 14 नवम्बर से 2 दिसम्बर, 2015 के दौरान एक बीबीआईएन एमवीए फ्रेंडशिप मोटर रैली आयोजित की गयी जो लगभग 4400 किमी की कूल दूरी तय करते हुये, भुवनेश्वर से आरंभ होकर झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, थिंपू (भूटान), असम मेघालय, त्रिपुरा से होते हुए ढाका (बांग्लादेश) तथा कोलकाता में 20 दिन में समाप्त हुयी। 72 भागीदारों की सक्रिय भागीदारी से यह रैली करना एक सफल प्रयास रहा, जिसमें बांग्लादेश, भूटान, नेपाल और भारत की टीमों ने हिस्स लिया। जिन देशों से होकर यह रैल् गुजरी वहां बेहतर सद्भावना और प्रभाव का सृजन हुआ।

माननीय स्पीकर महोदया, हमारे देश की दृष्टि से विशेषे रूप से घनिष्ठ क्षेत्रीय आर्थिक सहयोग के लिए निर्बाध सड़क आवागमन और सामाजिक एवं तकनीकी सहयोग को बढ़ावा दिये जाने संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने सीमा आर-पार यात्री आवागमन के लिए पहल की है और इस प्रकार भारत और नेपाल के साथ-साथ, भारत और बंग्लादेश के बीच कई बस रूटों पर अनेक नई बस सेवायें शुरू हो गयी हैं। इन रूटों में ढाका और गुवाहाटी, शिलांग, ढाका से होकर दिल्ली-काठमांडू, वाराणसी-काठमांडू, कोलकाता-अगरतला जैसे रूटों पर बस परिचालन शामिल हैं। जिन नये रूटों पर बस सेवायें प्रस्तावित हैं, उनमें दिल्ली-पोखरा, लुंबिनी-पटना-गया, सिलीगुड़ी-काठमांडू, कोलकाता-खुलना और इम्फाल-मंडले शामिल हैं।

स्पीकर महोदया, भारत, म्यांमार और थाईलैंड के बीच त्रिपक्षीय एमवीए के लिए मंत्रालय द्वारा समानांतर और महत्वपूर्ण पहल की गयी है तथा इस करार पर मार्च, 2016 तक हस्ताक्षर किये जाने की आशा है। इनमें दक्षिण से दक्षिण-पूर्व एशिया से लेकर थाईलैंड तक कार्गो और यात्रियों, निजी वाहनों सहित, के आवागमन का मार्ग खुलेगा। एक बार बीबीआईएन और आईएमटी करारों पर अमल शुरू हो जाये तो दक्षिण-पूर्व एशिया अर्थात् सार्क देशों और एशियाई देशों के बीच सभी प्रकार के वाहनों के निर्बाध आवागमन का सपना सच हो जायेगा और मैं आशा करता हूं कि ऐसा शीघ्र ही होगा।

इसके साथ-साथ झारखंड में साहिबगंज में हम लोग गंगा पर वाटर पॉड बना रहे हैं। वहां से डायरैक्ट कोलकाता सागर और वहां से ब्रह्मपुत्र के द्वारा बंग्लादेश और भारत के बीच में भी जलवाहन हेतु अब ट्रांसपोर्ट शुरू करने के लिए करार पर हस्ताक्षर किये गये हैं। इससे हमारा एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट बंगलादेश के लिए हो, भूटान के लिए हो, नेपाल के लिए हो, भारत के बीच पानी और रोड के ऊपर थू ट्रैफिक होने के कारण चारों देशों की इकोनॉमी में इसका फायदा होगा। श्रीलंका को भी भारत से जोड़ने के लिए रामेश्वरम के बाद 24 हजार करोड़ रुपये खर्च करके एक ब्रिज बनाने का प्रस्ताव हमारे विचाराधीन है। इस बारे में श्रीलंका के प्रधान मंत्री के साथ चर्चा हुई है। एडीबी ने हमें कहा है कि इसके लिए हम पूरी तरह फाइनैंस करने के लिए तैयार हैं। आदरणीय प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में श्रीलंका के साथ-साथ बंगलादेश, भूटान, नेपाल, म्यामांर, इसके बाद म्यामांर का रास्ता बनाकर थाइलैंड, बैंकाक तक रोड पर जा सकेंगे। यह आने वाला सपना निश्चित रूप से पूरा होगा। प्रधान मंत्री जी की इस नीति के आधार पर हम कार्य करने की कोशिश कर रहे हैं। यही जानकारी मैंने आपके आदेश के अनुसार सभागृह को दी है। बहुत-बहुत धन्यवाद।

[Placed in Library, See No. LT 3622/16/15]

HON. SPEAKER: The House stands adjourned to meet again at 2.30 p.m.

13.31 hours

The Lok Sabha then adjourned till Thirty Minutes

past Fourteen of the Clock.